

कार्रवाई ■ आईपीओ, डिजिटल अरेस्ट और फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को फंसाते थे

मामूल का लालच दिया था। जांच के दौरान गुप्तता के सुरत से बचने के लिये हांडिया को गिरफ्तार करके जवाब दे रहा था। हांडिया ने कहा था, वह अपनी कंपनी के बैंक खाते के जरिए कमीशन लेकर ठीक ठीक कर दे रहा था।

दूसरे मामले में एक महिला को सीबीआई और एन डीयू करवा कर ब्रंच का अधिष्ठाता बनाकर पदों "डिजिटल वॉचमैन" में रखा गया। आर्पीयों ने आधार कार्ड और मोबाईल लॉन्ड्रिंग का इस्तेमाल किया था।

रिजर्कमिशन से 36.19 लाख रुपये टाट लिया। इस मामले में गवर्नर के कोटा से मुम्बईवासी को गिरफ्तार किया गया। वह कमीशन लेकर बैंक खाते उपलब्ध कराया था। तीसरे मामले में भीपार से शुभम राठौर को पकड़ा गया। उसने जरिए कर दे रहा था। रिजर्कमिशन के जरिए एक व्यक्ति से 40.12 लाख रुपये दे। जांच में उसके खाते में एक महिने में 1.38 करोड़ रुपये के सट्टाई लेनदेन मिले।

[illegible][illegible][illegible]